# यूपी का पहला एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल पार्क उन्नाव में

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

उत्तर प्रदेश में पहला एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल पार्क आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे के नजदीक उन्नाव में बनेगा। इस निजी औद्योगिक पार्क के लिए जिले के करौंदकलां गांव में जमीन चिन्हित की गई है। अब यहां उद्योग लगाने के लिए निवेशकों को आमंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्सप्रेस-वे के किनारे बनने वाले औद्योगिक पार्कों में अपनी परियोजना लगाने के लिए उद्यमियों से चर्चा की है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर औद्योगिक विकास विभाग ने एक्सप्रेस-वे के किनारे 15 शहरों में करीब 9000 हेक्टेयर जमीन चिन्हित की है।

इन पर एक्सप्रेस-वे के कारण माल की आवाजाही जल्द व सस्ती होगी। जल्द निजी निवेशकों को उनके विभिन्न क्षेत्रों में लगने वाली औद्योगिक परियोजनाओं के लिए उदार शर्तों पर जमीन का आवंटन होगा।

इस मुहिम से औद्योगिक विकास तेज होगा, साथ ही लाखों लोगों के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार के अवसर बनेंगे। उन्नाव जिले के इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार की कोशिश है कि चिन्हित जमीन पर आधारभूत सुविधाएं विकसित हों। इसमें सड़क, सीवर,बिजली आपूर्ति, प्रदूषण नियंत्रण आदि पर खास जोर दिया जाएगा। औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारी 8 दिसंबर को साइट का दौरा करेंगे।

## इन छह जिलों को उच्च संभावना वाला माना

वैसे सरकार ने फिरोजाबाद, उन्नाव, आगरा, चित्रकूट, मैनपुरी व बाराबंकी में कुल 22 हजार एकड़ जमीन चिन्हित की है। इन्हें निवेश के लिहाज से इन छह जिलों को उच्च संभावना वाला माना गया है। यह छह जिले पूर्वांचल, आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे व बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के आसपास हैं। इनमें पीपीपी माडल पर प्रोजेक्ट विकसित किया जाएगा। इस कवायद का मकसद एक्सप्रेसवे के जरिए राज्य के उद्योगों को बढ़ावा देने, आर्थिक गतिविधियां बढ़ाना है। अब पश्चिमी यूपी से मध्य यूपी, पूर्वांचल तक और बुंदेलखंड तक माल की आवाजाही और जल्दी व आसानी से होने वाली है।

## इन जिलों पर भी फोकस

लखनऊ, आजमगढ़, अम्बेडकर नगर, गोरखपुर, अमेठी, सुल्तानपुर, औरैया, हमीरपुर, जालौन, मेरठ व प्रयागराज